CBSE Class 12 Hindi Core 2014 - Set 2/1/2

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

Time Allowed: 3 Hours **Maximum Marks: 100**

General Instructions

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 14 मुख्य प्रश्न हैं।
(ii) उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।
(iii) प्रत्येक प्रश्न के साथ दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।
(iv) प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए अतिरिक्त 15 मिनट दिए गए हैं। इस अवधि में उत्तर न लिखें।

Section क

1. स्वार्थ का ज़हर
जब तक आवृत रखेगा
मानवता की आकृति को
और
स्वार्थ की नींव जब तक
जुड़ी रहेगी धन के गारे से
तब तक
आत्मसंतोष केवल
कल्पना की वस्तु होगी ।
कितने ही त्याग और
धर्म के उपदेश करें
अभावों की यह रात
सूनी-सी अन्धी रहेगी
सोचने से कार्य नहीं हो जाता
कल्पना से यथार्थ मेल नहीं खाता
आदर्श और धर्म को
काग़ज़ पर उतारने से फ़ायदा क्या,
उत्तरदायित्व और संवेदनाहीन
इन थोथी डिग्रियों से
जीवन के दुख का रहस्य
सुलझ नहीं पाता ।

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1(क). किन स्थितियों में आत्मसंतोष कल्पना की वस्तु होता है ?

1(ख). 'अभावों की रातें' से कवि को क्या अभिप्रेत है ? यह रात और अधिक 'सूनी' और 'अंधी' कैसे हो जाती है ?

1(ग). आशय स्पष्ट कीजिए :
'आदर्श और धर्म को
काग़ज़ पर उतारने से फ़ायदा क्या ?'

1(घ). 'डिग्रियाँ' क्या हैं ? उन्हें थोथी क्यों कहा गया है ?

1(ङ). 'जीवन के दुख का रहस्य' कैसे सुलझ पाता है ?

2. जिस समय लोकमान्य तिलक ने राजनीतिक क्षेत्र में क़दम रखा उस समय पूरा देश चैतन्यहीन और स्वत्वहीन हो चुका था । देश के करोड़ों निवासी जंगल के सूखे पत्तों की तरह अस्त-व्यस्त थे । उनमें जीवन नहीं था, एकता नहीं थी, उनका आत्मविश्वास मर चुका था । उनके मन में यह भरा जा चुका था कि अंग्रेज़ी साम्राज्य इस देश पर सदा शासन करने वाला है ।

इस परिस्थिति को बदलने की आवश्यकता तिलक ने महसूस की । उन्होंने उन्हीं असंगठित पत्तों जैसे लोगों को इकट्ठा किया और उनमें राष्ट्रीय स्वातंत्र्य के लिए संकल्प जगाया । देश का बहुसंख्यक समाज परलोक को अधिक महत्त्व देता था और इस लोक के प्रति उदासीन था । इस दृष्टि को बदलकर उन्हें जीवनोन्मुख बनाया । इस कार्य के लिए उन्होंने भगवद् गीता को नया अर्थ दिया और कर्मयोग के सिद्धान्त को लोगों के सामने रखा जो राष्ट्रीय पुनर्जागरण के कार्य में बड़ा ही महत्त्वपूर्ण और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ ।

तब हालत कुछ ऐसी थी कि अपने समाज के दोष दिखाने और पाश्चात्य समाज, जीवन, विचार और कृतित्व का गुणगान करने में ही हमारे पढ़े-लिखे विचारक गौरव महसूस करते थे । भारत के बहुसंख्यक समाज की धर्म-प्रणाली, रीति-रिवाज, समाज-व्यवस्था – सभी उनकी दृष्टि में हेय थी । तिलक ने इस बात को समझा और अपने समाज, धर्म और इतिहास के प्रति लोगों का अभिमान जगाया । इसी के साथ उन्होंने समाज के विभिन्न गुटों के मध्य उत्पन्न हुए विरोधों को दूर कर राष्ट्रीयता की भावना को पैदा किया और राष्ट्रीयता की भावना से ही पूर्ण स्वराज्य की माँग का उदय हुआ जिसका प्रेरक वाक्य था – "स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है ।"

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2(क). 'चैतन्यहीन होने' से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए कि देश की चैतन्यहीनता का क्या कारण था ।

2(ख). देशवासियों की तुलना सूखे पत्तों से क्यों की गई है ?

2(ग). 'उस परिस्थिति' में तिलक ने कौन-सा महत्त्वपूर्ण कार्य किया ?

2(घ). देश के पढ़े-लिखे विचारकों की क्या सोच थी ?

2(ङ). तिलक ने किस आधार पर उनके दृष्टिकोण में परिवर्तन किया ?

2(च). तिलक ने देशवासियों में अपने समाज और धर्म के प्रति अभिमान जगाना आवश्यक क्यों समझा ?

2(छ). सामाजिक सौहार्द के लिए तिलक का क्या योगदान था ?

2(ज). तिलक की राष्ट्रीयता की भावना किस रूप में प्रतिफलित हुई ?

2(झ). गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

2(ञ). उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए :
संकल्प, स्वातंत्र्य ।

2(ट). मिश्रवाक्य में बदलिए :
'देश के करोड़ों निवासी जंगल के सूखे पत्तों की तरह अस्त-व्यस्त थे ।'

Section ख

3(क). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :

लड़का-लड़की एक समान

3(ख). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :

प्रगतिशील भारत

3(ग). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :

घटती राष्ट्रीयता

3(घ). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :

भ्रष्टाचार

4. उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा के कारण यातायात व्यवस्था की अस्त-व्यस्तता के कारण आप क-ख-ग महाविद्यालय देहरादून में होने वाले साक्षात्कार में उपस्थित नहीं हो पाए । महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी को पत्र लिखकर किसी अन्य तिथि को साक्षात्कार का अवसर देने की प्रार्थना कीजिए ।

OR

4. सामान्य नागरिक के प्रतिदिन उपयोग की वस्तुओं की महँगाई पर चिन्ता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

5(क)(i). निम्नलिखित के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

छापेखाने का आविष्कारक कौन था ?

5(क)(ii). निम्नलिखित के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

मुद्रित माध्यम की दो उल्लेखनीय विशेषताएँ लिखिए ।

5(क)(iii). निम्नलिखित के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

'एंकर बाइट' किसे कहते हैं ?

5(क)(iv). निम्नलिखित के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

इंटरनेट-पत्रकारिता के विभिन्न नाम क्या हैं ?

5(क)(v). निम्नलिखित के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

फ्रीलांसर पत्रकार किसे कहते हैं ?

5(ख). 'महँगी होती उपचार-व्यवस्था' विषय पर एक आलेख लिखिए ।

OR

5(ख). 'आवश्यक सुविधाओं से वंचित गाँव' विषय पर एक आलेख लिखिए ।

6. 'सिर उठाती सांप्रदायिकता' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए ।

OR

6. 'अंधविश्वास के पसरते पाँव' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए ।

Section ग

7. मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना-बना कितने जग रोज़ मिटाता;
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता ।
मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर,
मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ ।

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

7(क). संसार के साथ कवि का किस प्रकार का नाता है और क्यों ?

7(ख). 'जग बनाने और मिटाने' से कवि का क्या आशय है ? वह किस रूप में जग की रचना करता है ?

7(ग). वैभवशाली पृथ्वी से भी कवि का लगाव क्यों नहीं है ?

7(घ). 'रोदन में राग' और 'शीतल वाणी में आग' से कवि क्या आशय है ?

OR

7. आतंक अंक पर काँप रहे हैं
धनी, वज्र-गर्जन से बादल !
त्रस्त-नयन मुख ढाँप रहे हैं ।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर
ऐ विप्लव के वीर !
चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार !

OR

7(क). 'त्रस्त-नयन' कौन हैं ? उनके मुख ढाँपने का क्या कारण है ?

OR

7(ख). कृषक की अधीरता का क्या कारण है ? उसकी शारीरिक दशा पर टिप्पणी कीजिए ।

OR

7(ग). 'विप्लव का वीर' कौन है ? उसके लिए यह सम्बोधन क्यों प्रयुक्त किया गया है ?

OR

7(घ). आशय स्पष्ट कीजिए :
'चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार'

8. तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ ।
माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबेको एकु न दैबेको दोऊ ।

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

8(क). अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए ।

8(ख). काव्यांश के भाषिक सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

8(ग). काव्यांश का भाव-वैशिष्ट्य लिखिए ।

OR

8. प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे घुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

OR

8(क). प्रात नभ की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

OR

8(ख). काव्यांश में चित्रित परिवेश के वैशिष्ट्य पर टिप्पणी कीजिए ।

OR

8(ग). पद्यांश के भाषिक सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए ।

9(क). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता के आधार पर चिड़िया के परों में चंचलता और कवि के पदों की शिथिलता के कारणों पर विचार करते हुए कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए ।

9(ख). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

'सही बात का सही शब्द से जुड़ना' क्यों ज़रूरी है ? ऐसा न होने के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं ? 'बात सीधी थी, पर' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

9(ग). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पेट की आग राम-भक्ति के मेघ से ही शान्त हो सकती है – तुलसी की रचना की पृष्ठभूमि में तत्कालीन सामाजिक दशा पर टिप्पणी कीजिए ।

10. जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख की अपेक्षा दुख ही अधिक है । जब उसने गेहुँए रंग और बटिया जैसे मुख वाली पहली कन्या के दो संस्करण और कर डाले तब सास और जिठानियों ने ओठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की । उचित भी था क्योंकि सास तीन-तीन कमाऊ वीरों की विधात्री बनकर मचिया के ऊपर विराजमान पुरखिन के पद पर अभिषिक्त हो चुकी थी और दोनों जिठानियाँ काक-भुशुंडि जैसे काले लालों की क्रमबद्ध सृष्टि करके इस पद के लिए उम्मीदवार थीं । छोटी बहू के लीक छोड़कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया । जिठानियाँ बैठकर लोक-चर्चा करतीं और उनके कलूटे लड़के धूल उड़ाते; वह मट्ठा फेरती, कूटती, पीसती, राँधती और उसकी नन्हीं लड़कियाँ गोबर उठातीं, कंडे पाथतीं ।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

10(क). भक्तिन जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख क्यों न प्राप्त कर सकी ? उसके सुखाभाव के कारणों पर तर्कसहित विचार कीजिए ।

10(ख). भक्तिन की सास और जिठानियों के पारिवारिक सम्मान-प्राप्ति का क्या कारण था तथा भक्तिन के प्रति उनके व्यवहार में क्या परिवर्तन हुआ ?

10(ग). आशय स्पष्ट कीजिए – "छोटी बहू के लीक छोड़कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया ।"

10(घ). भक्तिन और उसकी दोनों नन्हीं लड़कियों को पारिवारिक दण्ड किस रूप में भोगना पड़ा ? इस दण्ड के औचित्य-अनौचित्य के विषय में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

OR

10. रात्रि की विभीषिका को सिर्फ़ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी । पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख़याल से ढोलक बजाता हो, किन्तु गाँव के अर्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी । बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था । स्पन्दन-शक्ति शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी । अवश्य ही ढोलक की आवाज़ में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे ।

OR

10(क). रात्रि की विभीषिका कैसी थी ? ढोलक किस रूप में उसको चुनौती देती थी ?

OR

10(ख). दंगल का दृश्य किस-किसमें किन रूपों में उपयोगी होता था और क्यों ?

OR

10(ग). ढोलक की आवाज़ औषध-गुण-हीन होकर भी मृतप्रायों पर क्या प्रभाव डालती थी ?

OR

10(घ). 'औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन' तथा 'स्पन्दन-शक्ति-शून्य स्नायुओं' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

11(क). निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जाति-प्रथा के आधार पर श्रम-विभाजन समाज में किन समस्याओं का कारण रहा है ? आधुनिक समय में इस दिशा में क्या परिवर्तन हुआ है ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

11(ख). निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

'शिरीष का फूल संघर्ष-भरे जीवन में भी जीवन्त बने रहने की सीख देता है ।' उपयुक्त तर्क देकर प्रतिपादित कीजिए ।

11(ग). निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

'नमक' कहानी भारत-पाक के विस्थापित पुनर्वासित लोगों के दिलों को टटोलने वाली कहानी है – उदाहरणों के आधार पर पुष्टि कीजिए ।

11(घ). निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया ? स्पष्ट कीजिए ।

11(ङ). निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जीजी ने इन्दर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ? इस विषय में लेखक की प्रतिक्रिया को स्पष्ट कीजिए ।

12(क). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कैसे कहा जा सकता है कि आत्मकथा का 'जूझ' शीर्षक, कथा-नायक की केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है ?

12(ख). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यशोधर बाबू समय के साथ ढल सकने में असफल क्यों रह जाते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

12(ग). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मुअनजो-दड़ो सिन्धु घाटी-सभ्यता का एक नियोजित शहर था । उदाहरणों के आधार पर टिप्पणी कीजिए ।

13(क). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

'यशोधर बाबू का व्यक्तित्व द्वन्द्व भावना से ग्रस्त है' – पक्ष या विपक्ष में दो तर्क दीजिए ।

13(ख). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

ऐन फ्रेंक के व्यक्तित्व की दो विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए ।

13(ग). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कैसे कहा जा सकता है कि सिन्धु-घाटी की सभ्यता एक 'लो-प्रोफ़ाइल' सभ्यता थी ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

14. "जूझ' कहानी उभरते किशोर-समाज को प्रेरणा देने वाली एक सफल कहानी है' – इस कथन के आलोक में 'जूझ' कहानी के उन जीवन-मूल्यों की विवेचना कीजिए जो किशोर-किशोरियों के लिए प्रेरक हैं ।

OR

14. 'ऐन फ्रेंक की डायरी इतिहास के दर्दनाक अध्याय के अनुभवों की कहानी है' – इस कथन के आलोक में उन जीवन-मूल्यों का उल्लेख कीजिए जो द्वितीय विश्व युद्ध में छिन्न-भिन्न हो गए थे ।

- End of Question Paper -